MASA - 05

December - Examination 2015

M.A. (Final) Sanskrit Examination

गद्य तथा काव्य

Paper - MASA - 05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

Note : The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

नोट : यह प्रश्नपत्र 'अ' 'ब' तथा 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A

$8 \times 2 = 16$

(Very short Answer type Questions)

Note : Answer all questions. As per the nature of the question you delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

(खण्ड – अ)

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (अनिवार्य)

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) राजतरंगिणी के लेखक कौन है?

(ii) पुष्पदन्त गन्धर्व ने किस स्तोत्र की रचना की?

(iii) शिशुपालवधम् के नायक का क्या नाम है?

(iv) कादम्बरी के प्रणेता कौन है?

(v) स्तोत्र काव्य से क्या आशय है?

(vi) ल्युट् प्रत्यय से किसी एक पद की रचना कीजिए?

(vii) ''विक्रमांकदेवचरितम्'' में किसका वर्णन किया गया है?

(viii) ''विक्रमांकदेवचरितम्'' किस तरह की काव्य विधा है?

Section - B

$4 \times 8 = 32$

(Short Answer type Questions)

Note : Answer any 4 questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 8 marks.

(खण्ड – ब)

लघुउत्तरात्मक प्रश्न

नोट : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या हिंदी भाषा में कीजिए।

अचिराच्च प्रशान्ते तस्मिन् मृगयाकलकये निर्वृष्ट–मूक–जलधर–वृन्दानुकारिणी मथनापशान्तोपकारिणी सागर इव स्तिमिततामुपगते कानने मन्दीभूतभयोहमुपजातकुतूहलः पितुरूत्संगदीषदीव निष्क्रम्य कोटरस्थ इव शिरोधरां प्रसार्य्य सन्त्रासतरलतारकः शैशवात् किमिदमित्युपजातदिदृक्षस्तामेव दिशं चक्षुः प्राहिवणम्।

अथवा

क्रमेण च रविरस्तं गतः इत्युदन्तमुलभ्य जातवैराग्यो धौतदुकूलवल्कनधवलाम्बरः सतारान्तपुरः पर्य्यन्तस्थिततनुस्तिमिर–तमालवृक्ष–लेखम् सप्तर्षि–मण्डलाध्युषितम् अरून्धतीसञ्चरणपूतम् उपहिताषाढम् आलक्ष्यमाणमूलम् एकान्तस्थितचारुतारमृगम् अमरलोकाश्रमणमिव गगनतलम् अमृतदीधितिरध्यतिष्टत्।

3) किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिंदी भाषा में कीजिए।

(i) बुद्धिशस्त्रः प्रकृत्यंगे घनसंवृति कंचुकः।
चारेक्षणो दूतमुखः पुरूषः कोऽपि पार्थिव।।

(ii) कथासु ये लब्धरसाः कवीनां ते नानुरज्यन्ति कथान्तररेषु।
न ग्रन्थिपर्णप्रणयाष्चरन्ति कस्तूरिकागन्धमृगास्तृणेषु।

4) निम्न में एक श्लोक की व्याख्या संस्कृत में कीजिए।

(i) ध्रुवं रणे यस्य जयामृतेन क्षीणः क्षमाभर्तुरभूत्कृपाणः।
एका गृहीता यदनेन धारा धारासहस्त्रं यशोऽवकीर्णम्।

(ii) साहित्यपाथोनिधिमन्थनोत्थं कर्णामृतं रक्षत हे कवीन्द्राः!।
यदस्य दैत्या इव लुण्ठनाय काव्यार्थचैराः प्रगुणीभवन्ति।।

5) कादम्बरी के कथानक का वर्णन कीजिए।

6) कथा एवम् आख्यायिका में क्या अन्तर है?

7) शिवमहिम्न स्तोत्र में शिव के स्वरूप का प्रतिपादन कीजिए।

8) ''कादम्बरी रसज्ञानामाहारोऽपि न रोचते'' पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

9) ''शिशुपालवधम् महाकाव्य'' के द्वितीय सर्ग का सारांश प्रस्तुत कीजिए।

Section - C

2 x 16 = 32

(Long Answer Type Questions)

Note : Answer any two questions. You have to delimit your each answer maximum 500 words. Each question carries 16 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न)

नोट : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपको अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) ''माघे सन्ति त्रयो गुणाः'' पंक्ति के आलोक में माघ की काव्यकला का वर्णन कीजिए।

11) कादम्बरी आलोक में बाणभट्ट की गद्य कला को प्रतिपादित कीजिए।

12) विक्रमांकदेवचरितम् के आधार पर बिल्हण के काव्यसौन्दर्य की समीक्षा कीजिए।

13) शिवमहिम्न स्तोत्र के भावपक्ष एवं कला पक्ष का वर्णन कीजिए।